वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुर□

द्वितीय वर्ष बी.ए. - Revised

हिंदी भाषा-क□□□

सेमेस्टर - III

(2017 – 2018 के शैक्षिक वर्ष के लिए)

प्रश्नपत्र – 3. हिंदी भाषा-क□□□ – प्रतिज्ञा : (अनिवार्य) Foundation Course-03

(Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्यपुस्तक - 1. प्रतिज्ञा – प्रेमचंद 2. व्याकरण

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

□□□□ -1.

प्रेमचंद : व्यक्तित्व और कृतित्व, उपन्यास विधा का परिचय, 'प्रतिज्ञा' उपन्यास की कथावस्तु , 'प्रतिज्ञा' उपन्यास की भाषा-शैली, 'प्रतिज्ञा' उपन्यास में संवाद-योजन□□

□□□□ - 2.

'प्रतिज्ञा' उपन्यास के मुख्य पात्र एवं गौण पात्र , 'प्रतिज्ञा' उपन्यास में देश काल और वातावरण, 'प्रतिज्ञा' उपन्यास शीर्षक की सार्थकता, 'प्रतिज्ञा' उपन्यास का उद्देश्य।

□□□□ - 3.

शब्द-□□: सामान्य परिचय, संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, □□□ □□ सामान्य परिचय।

□□□□ - 4. अँग्रेजी अ□□□ □□□□□□ □□हिंदी में अ□□□□□□

□□ □□□□□□ –

प्रश्न 1. पठित उपन्यास से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3. □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 से एक टिप्पणी का प्रश्न और

□□□□ 4 □□अँग्रेजी अ□□□ □□□□□□ □□हिंदी में अ□□□□□ □□ अनुच्छेद (07 x 2 = 14 □□)

संदर्भ-पुस्तकें :

1. हिंदी व्याकरण - डॉ.उमेशचंद्र शुक्ल
2. अच्छी हिंदी - रामचंद्र वर्मा
3. □□□□□-विज्ञान - डॉ.□□□□□□□ □□□□□□
4. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना - डॉ.वासुदेवनंदन प्रसाद
5. हिंदी उपन्यास का इतिहास - डॉ.गो□□□ □□□
6. हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष - डॉ.रामदरश मिश्र, (गिरनार प्रकाशन. मेह□□□□)
7. प्रयोग और प्रयोग - □□.□□.जगन्नाथन
8. आधुनिक हिंदी उपन्यास - संपा.भीष्म साहनी, रामजी मिश्र, भगवतीप्रसाद निदारिया (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

==========

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुर□

द्वितीय वर्ष बी.ए. Revised

हिंदी : सेमेस्टर - III

(2015 - 2016, 2016 - 2017, □□□□ 2017 – 2018 के शैक्षिक वर्ष के लिए)

प्रश्नपत्र – 5. A. □□□□□□□□ □□□□□ - □□□ : (मुख्य और गौण) –

(Core Co. 05 - Elective Co. - 05) (Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्य पुस्तक : □□□ - जयशंकर प्रसाद (लोकभारती प्रकाशन, इ□□□□□□)

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

□□□□ – 1.

जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व और कृतित्व : सामान्य परिचय,
शेरसिंह का शस्त्र-समर्पण, अशोक की चिंता, पेशोला की प्रतिध्वनी ।

□□□□ – 2.

अरी वरुणा की शांत कछार, उठ –□□ □□ □□□□□□ □□□□, □□□□ □□□□□□□□□□ □□□,
□□□□ □□□□□□□□ □□□ □□, हे सागर संगम अरुण नील ।

□□□□ – 3.

अब जागो जीवन के प्रभात, जागती की मंगलमयी उषा,
तुम्हारी आँखों का ब□□□, उस दिन जब जीवन के पथ में ।

□□□□ – 4.

वे कुछ दिन कितने सुन्दर थे, चिर तृषित कंठ से तृप्ति-विधुर,
अरे कहीं देखा है तुमने, □□□□ □□□□□□□□□ □□ □

□□ □□□□□□□ –

प्र□ 1. पठित कविताओं से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 =10 □□)
प्रश्न 2 □□ 3. □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)
प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) □□ (□) (07 x 2 = 14 □□)

सन्दर्भ पुस्तकें :

1. □□□□□□□ – □□. नामवर सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. नई दिल्ली)
2. प्रसाद का काव्य – □□. प्रेमशंकर
3. जयशंकर प्रसाद – □□. नन्ददुलारे वाजपेयी
4. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल
5. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
6. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
7. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास 1-2 – डॉ. गणपति चन्द्र सिंह

□□□□

प्रश्नपत्र – 5. B. छायावादोत्तर काव्य - □□□ □□□□□ : प्रतिनिधि रचनाएँ (मुख्य और गौण)

(Core Course. 05 - Elective Course. - 05) (Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्यपुस्तक :– □□□ □□□□□ : प्रतिनिधि रचनाएँ - सं□□. □□. रणजीत सिंह (जयभारती प्रकाशन, इ□□□□□□)

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

□□□□ – 1. अज्ञेय का व्यक्तित्व एवं कृतित्व और कविताओं का अध्ययन :
पहला दौंगरा , कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप, एक सन्नाटा बुनता हूँ |

□□□□ – 2. धर्मवीर भारती का व्यक्तित्व एवं कृतित्व और कविताओं का अध्ययन :
फिरोजी होठ, टु□□ □□□□□, एक प्रश्न |

□□□□ – 3. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना का व्यक्तित्व एवं कृतित्व और कविताओं का अध्ययन :
कैसी विचित्र है जिन्दगी, लीक प□ □□□□युद्ध स्थिति |

□□□□ – 4. नागार्जुन का व्यक्तित्व एवं कृतित्व और कविताओं का अध्ययन :
□□□□ □□ □□□□□□□, सिंदूर तिलक भाल, बहुत दिनों के बाद |

□□ □□□□□□ –

प्रश्न 1. पठित कविताओं से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 =10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3. □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) □□ (ब) (07 x 2 = 14 □□)

सन्दर्भ पुस्तकें :

1. नयी कविता के प्रतिमान – लक्ष्मीकांत, लोक भर्ती प्रकाशन इलाहबाद
2. नागार्जुन की कविता – अजय □□□□□□
3. हिंदी की प्रगतिवादी कविता – डॉ. मृत्युं य उपाध्याय, अमर प्रकाशन , ग□□□
4. धर्मवीर भारती : युग चेतना और अभिव्यक्ति – डॉ. सरिता शुक्ल , चिंतन प्रकाशन
5. □□ □□□□□ – □□. □□□□□ , वाणी प्रकाशन

==========

प्रश्नपत्र – 6. A. हिंदी उपन्यास- चित्रलेखा : (मुख्य और गौण) –

(Core Course. 06 - Elective Course. - 06) (Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्यपुस्तक : चित्रलेखा – भगवती चरण वर्मा (राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. नई दिल्ली)

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

□□□□ – 1.

भगवतीचरण वर्मा का साहित्यिक परिचय, उपन्यास के कला तत्वों का परिचय,
'चित्रलेखा': एक ऐतिहासिक उपन्यास के रूप में, 'चित्रलेखा' उपन्यास व□ □□□□□ – मूल्यांकन।

□□□□ – 2.

'चित्रलेखा' उपन्यास के मुख्य पात्र- चित्रलेखा, बीजगुप्त, कुमारस्वामी ।
'चित्रलेखा' उपन्यास के गौण पात्र।

□□□□ – 3.

'चित्रलेखा' उपन्यास में संवाद, 'चित्रलेखा' उपन्यास व□□□□□□-□□□□□,
उपन्यास का भावपक्ष और कला पक्ष ।

□□□□ – 4.

'चित्रलेखा' उपन्यास की भाषा-श□□, 'चित्रलेखा' उपन्यास का उद्देश्य,
'चित्रलेखा' उपन्यास शीर्षक की सार्थकता ।

□□ □□□□□□ –

प्रश्न 1. पठित उपन्यास से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)
प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)
प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) □□ (□) (07 x 2 = 14 □□)

सन्दर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी उपन्यास का इतिहास – डॉ. ग□□□□ □□□
2. हिंदी के बहुचर्चित उपन्यास – भगवतीशरण मिश्र
3. उपन्यास-स्थिति और गति (प्रथम खण्ड) – चन्द्रकांत बांडिवडेकर
4. समकालीन हिंदी साहित्य-विविध विमर्श – संपा. श्रीराम शर्मा
5. बीसवीं शताब्दी का हिंदी साहित्य – विजयमोहन सिंह (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
6. □□□ □□□□□□ – देवेन्द्र सत्यार्थी (पुस्तकायन , नई दिल्ली)
7. हिंदी उपन्यास एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
8. हिंदी उपन्यास – डॉ. □□□□ □□□ (राजकमल प्रकाशन)
9. हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ – डॉ. शशीभूषण सिंहल (विनोद पुस्तक मंदिर,आगरा)

==========

□□□□

प्रश्नपत्र – 6. B . हिंदी उपन्यास- स□□□□ : (मुख्य और गौण) –

(Core Course. 06 - Elective Course. - 06) (Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्यपुस्तक : □□□□□ - जैनेन्द्र कुमार

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

□□□□ – 1.

जैनेन्द्र कुमार का साहित्यिक परिचय, उपन्यास के कला तत्वों का परिचय,
'□□□□□': □□ मनोवैज्ञानिक उपन्यास के रूप में, 'सु□□□□□' उपन्यास क□ □□□□□ – मूल्यांकन ।

□□□□ – 2.

'□□□□□' उपन्यास के मुख्य पात्र- □□□□□ , हरी प्रसन्न, श्रीकांत और सत्या ।
'□□□□□' उपन्यास के गौण पात्र।

□□□□ – 3.

'□□□□□' उपन्यास में संवाद, 'र□□□□□' उपन्यास व□□□□□□-□□□□□,
उपन्यास का भावपक्ष और कला पक्ष ।

□□□□ – 4.

'□□□□□' उपन्यास की भाषा-शै□□, '□□□□□' उपन्यास का उद्देश्य,
'□□□□□' उपन्यास शीर्षक की सार्थकता ।

□□ □□□□□□ –

प्रश्न 1. पठित उपन्यास से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (□) □□ (□) (07 x 2 = 14 □□)

सन्दर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी उपन्यास का इतिहास – डॉ. □□□□ □□□
2. हिंदी के बहुचर्चित उपन्यास – भगवतीशरण मिश्र
3. उपन्यास-स्थिति और गति (प्रथम खण्ड) – चन्द्रकांत बांडिवडेकर
4. समकालीन हिंदी साहित्य-विविध विमर्श – संपा. श्रीराम शर्मा
5. बीसवीं शताब्दी का हिंदी साहित्य – विजयमोहन सिंह (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
6. हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ – डॉ. शशीभूषण सिंहल (विनोद पुस्तक मंदिर,आगर□□)
7. हिंदी उपन्यास एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
8. हिंदी उपन्यास – डॉ. □□□□ □□□ (राजकमल प्रकाशन)

==========

प्रश्नपत्र – 7. हिंदी साहित्य का इतिहास (मुख्य) Core Course-07

(Total Marks – 50 ; Credits o3)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र –

□□□□ – 1.

साहित्य के इतिहास में कल-विभाजन □□ □□□□□□□
आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।
आदिकालीन परिस्थितियाँ।

□□□□ – 2.

भक्तिकाल की मुख्य प्रवृत्तियाँ।
भक्तिकाल की मुख्य - धा□□□□
पद्मावत, रामचरितमानस तथा सूरसागर का परिचय।

□□□□ – 3.

□□□□□□ : शब्द, □□□□□□, रीतिबद्ध, रीतिमुक्त, रीतिसिद्ध धाराओं का सामान्य परिचय , रीतिकाल की प्रमुख विशेषताएँ।

□□□□ – 4.

9. □□□□□□, □□, □□□□□□, □□□□□, आलम तथा भूषण का साहित्यिक परिचय।

□□ □□□□□□ –

प्रश्न 1. प्रत्येक ईकाई से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है)(05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (□) □□ (□)(07 x 2 = 14 □□)

सन्दर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नागेन्द्र
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल – हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का अतीत 1-2 - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. हिंदी साहित्य का इतिहास- आ. रामचंद्र शुक्ल
6. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
7. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास 1-2 – डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त
8. आदिकाल की भूमिका – पुरुषोत्तम प्रसाद
9. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल

==========

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

द्वितीय वर्ष बी.ए. - Revised

हिंदी भाषा-क□□□ - हिंदी कहानियाँ

सेमेस्टर - IV

(2015 - 2016, 2016 - 2017, □□□□2017 – 2018 के शैक्षिक वर्ष के लिए)

प्रश्नपत्र - 4 . हिंदी भाषा-क□□□ - हिंदी कहानियाँ : (अनिवार्य) Foundation Course-04

(Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्यपुस्तक : 1. हिंदी कहानियाँ - डॉ.संजय सिंह (जयभारती प्रकाशन, इ□□□□□□)
2. व्याकरण।

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र:

□□□□ -1. कहानी विधा का परिचय, परिभाषाएँ , तत्त्व एवं प्रकार।
□□□□□□□ □□, □□□□□, गुण्डा - कहानियों का अध्ययन।

□□□□ – 2. मक्रील, जहाँ लक्ष्मी कैद है, दे□□□□ □□ □□□□ - कहानियों का अध्ययन।

□□□□ – 3 उपसर्ग , प्रत्यय, विशेषण तथा कालों का सामान्य परिचय।

□□□□ - 4 □□-□□□□ □

□□ □□□□□□ –

प्रश्न 1. पठित कहानियों से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3. □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 से एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) औ□ □□□□ 4 □□(□□)
दस वाक्य भूल सुधार के देने होंगे जिनमें से सात लिख□□□□ (07 x 2 = 14 □□)

संदर्भ - पुस्तकें :

1. हिंदी व्याकरण - ड□.उमेशचंद्र शुक्ल
2. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना - डॉ.वासुदेवनंदन प्रसाद
3. अच्छी हिंदी - रामचंद्र वर्मा
4. प्रयोग और प्रयोग - वी□.□□.जगन्नाथन
5. कहानी:स्वरूप औ□ □□□□□-राजेन्द्र य□□□
6. □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□-□□.□□□□□□ मिश्र

==========

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

द्वितीय वर्ष बी.ए. - Revised

हिंदी : सेमेस्टर - IV

(2015 - 2016, 2016 - 2017, □□□□2017 – 2018 के शैक्षिक वर्ष के लिए)

प्रश्नपत्र – 8. A. हिंदी काव्य - □□□□□□ : (मुख्य और गौण) (Core Co. 08 - Elective Co. - 08)

(Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्यपुस्तक : □□□□□□ – सोहनलाल द्विवेदी (स्मृति प्रकाशन १२४, □□□□□ □□□, □□□□□□□)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

□□□□ -1.

सोहनलाल द्विवेदी : व्यक्तित्व एवम् कृतित्व, खंडकाव्य : परिभाषा एवम् लक्षण ,

'□□□□□□' : कथावस्तु, '□□□□□□' : काव्य – स्वरूप □

□□□□ – 2.

'□□□□□□' के पात्र : □□, □□□□□□, शुक्राचार्य, बृहस्पति, □□□□ □ '□□□□□□' में प्रेम-वर्णन।

□□□□ – 3.

'□□□□□□' में संवाद – य□□□□, '□□□□□□' में देशकाल का चित्रण, 'संजीव□□□' शीर्षक की सार्थकता |

□□□□ – 4.

'□□□□□□' काव्य का उद्देश्य , '□□□□□□' □□ □□□-पक्ष और कला-पक्ष,

'□□□□□□' में अभिव्यक्त भाव-□□□□□ □

□□ □□□□□□ :

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है)(05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) औ□ (□) (07 x 2 = 14 □□)सन्दर्भ – पुस्तकें :

1. हिंदी के श्रेष्ठ काव्यों का मूल्यांकन - संपा. ड□. □□ □□□□□
2. हिंदी के खंडकाव्यों में युग बोध – डॉ. राज भारद्वाज
3. हिंदी साहित्य में रूपक कथा – काव्य: उद्भव और विकास – ड□. □□□ □□□□□□
4. हिंदी के स्वातंत्र्योत्तर मिथकीय खंडकाव्य– डॉ. कविता शर्मा (पार्श्व पब्लिकेशन,अहम□□□□□)
5. नव्य प्रबंध काव्यों में आधुनिक बोध – उर्वशी शर्मा
6. नयी कविता की प्रबंध – चे□□□ – □□. महावीरसिंह चौहान
7. आधुनिक प्रबंधकाव्य : संवे□□□ □□□□□□□ – □□□. □□. □□□□□ □□□□□
8. नई कविता के रूप – रेनू दीक्षित

==========

प्रश्नपत्र – 8. B. हिंदी काव्य – □□□□□ : (मुख्य और गौण) (Core Co. 08 - Elective Co.- 08)

(Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्यपुस्तक : □□□□□ – नागार्जुन (वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

□□□□ -1.

नागार्जुन : व्यक्तित्व एवम् कृतित्व, खंडकाव्य : परिभाषा एवम् लक्षण,

'□□□□□' : काव्य – स्वरूप , '□□□□□' : कथावस्तु ।

□□□□ – 2.

'□□□□□' के पात्र : □□□□,□□□, लक्ष्मण, महर्षि विश्वामित्र ।

'□□□□□' के खण्डों का अध्ययन ।

□□□□ – 3.

'□□□□□' के गौण पात्र, '□□□□□' में देशकाल का चित्रण, 'भूमि□□' शीर्षक की सार्थकता |

□□□□ – 4.

'□□□□□' में संवाद – □□□□□, '□□□□□' □□ □□□-पक्ष और कला-पक्ष, '□□□□□' काव्य का उद्देश्य |

□□ □□□□□□ :

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है)(05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (□) (07 x 2 = 14 □□)

सन्दर्भ – पुस्तकें :

1. हिंदी के खण्ड काव्यों में युगबोध – डॉ. राज भारद्वाज

2. नव्य प्रबंध काव्यों में आधुनिक बोध – उर्वशी शर्मा

3. नई कविता की प्रबंध चेतना – □□. महावीर सिंह चौहान

4. आधुनिक प्रबंध - काव्य संवेदना के धरातल – □□□. □□. □□□□□ □□□□□

5. हिंदी के श्रेष्ठ काव्यों का मूल्याङ्कन

6. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य – डॉ. बे□□

==========

प्रश्नपत्र – 9. A. हिंदी नाटक - इ□□□ : (मुख्य गौण) (Core Co. 09 - Elective Co. - 09)

(Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्यपुस्तक : □□□□ – विष्णु प्रभाकर (राजपाल एन्ड सन्स, नई दिल्ली)

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

□□□□ – 1.

विष्णु प्रभाकर एक नाटककार के रूप में, व्यक्तित्व कृतित्व ,
प्रेमचंद और उनका गोदान, 'हो□□' □□□□ □□ □□□□□,
'□□□□' में नाटककार की कल्पना, '□□□□' नाटक में चित्रित समस्या ।

□□□□ – 2.

'□□□□' नाटक के मुख्य एवम् गौण पात्र –
□□□□, □□□□□, □□□□, □□□□□□□, □□□□, □□□□□, सोना आदि की चारित्रिक विशेषताएँ ।

□□□□ - 3 .

'□□□□' □□□□ □□□□□□, '□□□□' नाटक में सामाजिकता, 'होरी' नाटक की भाषा शैली,
'□□□□' नाटक में देशकाल और वातावरण ।

□□□□ – 4

'□□□□' नाटक का उद्देश्य, 'हो□□' नाटक के शीर्षक की सार्थकता, 'होरी' न□□□ नाटक में अभिनय |

□□ □□□□□□ :

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है)(05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) □□ (□) (07 x 2 = 14 □□)

संदर्भ-पुस्तकें-

1. विष्णु प्रभाकर का साहित्यःकल, आज औ□ □□-□□□. □□.पद्मा पाटिल,
   (शिवनेरी पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स,अमरावती,महाराष्ट्र)
2. हिंदी नाटक-ड□.बच्चनसिंह (लोकभारती प्रकाशन, इ□□□□□□)
3. हिंदी नाटकः उद्भव औ□ □□□□-□□.□□□□ □□□ (राजपाल एण्ड संस, दिल्ली)
4. □□□□□□□-□□□-4 □□.रामविलास शर्मा
5. नागार्जुन रचनावली भाग-2 सं□□.□□□□□□□, (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

==========

□□□□

प्रश्नपत्र – 9. B. हिंदी एकांकी - सप्त एकांकी : (मुख्य गौण)

(Core Course 09 - Elective Course - 09) (Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्यपुस्तक : सप्त एकांकी – □□□. □□. □□. □□□□□□□□ (शान्ति प्रकाशक , रोहत□□)

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

□□□□ – 1.

हिंदी एकांकी उदभव और विकास, एकांकियों का विस्तृत अध्ययन : पत्रों का चरित्र - चित्रण : पृथ्वीराज की ऑखें – डॉ. रामकुमार वर्मा , दो □□□□□□ – भगवतीचरण वर्मा |

□□□□ – 2.

एकांकियों का विस्तृत अध्ययन : पत्रों का चरित्र - चित्रण : रीढ़ की हड्डी – जगदीशचंद्र माथुर, लक्ष्मी का स्वागत – उपेन्द्रनाथ अश्क, □□□□ □□□ – विष्णु प्रभाकर |

□□□□ – 3.

एकांकियों का विस्तृत अध्ययन : पत्रों का चरित्र - चित्रण : स्ट्राइक – भुवनेश्वर प्रसाद , □□□□□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□□ |

□□□□ – 4.

एकांकी शब्द का अर्थ , परिभाषा एवं तत्व, साहित्य में एकांकी का महत्त्व , एकांकी की रंगमंचीयता |

□□ □□□□□□ :

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है)(05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (□)(07 x 2 = 14 □□)

सन्दर्भ पुस्तक :

1. हिंदी एकांकी – सिद्ध नाथ कुमार , राजकमल प्रकाशन
2. एकांकी और एकांकीकार – रामचरण महेन्द्र
3. साहित्य , मनोविज्ञान और हिंदी एकांकी – गुरुदयाल बजाज

==========

प्रश्नपत्र – 10 . हिंदी साहित्य का इतिहास (मुख्य)) (Core Course 10)

(Total Marks – 50 ; Credits o3)

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

□□□□ – 1.

भारतेन्दु युगीन कविता की प्रमुख विशेषताएँ , द्विवेदी युगीन कविता की प्रमुख विशेषताएँ , छायावादी कविता की प्रमुख विशेषताएँ , प्रगतिवादी कविता की प्रमुख विशेषताएँ ।

□□□□ - 2 .

प्रयोगवादी कविता की प्रमुख विशेषताएँ , उपन्यास का उदभव और विकास एवं प्रकार , □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ एवं प्रकार, □□□□□ □□□□ □□ □□□□□ एवं प्रकार, □□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ एवं प्रकार ।

□□□□ – 3.

रामधारीसिंह दिनकर, मैथिलीशरण गुप्त, हरिवंश राय बच्चन, शिवमंगल सिंह □□□ तथा अज्ञेय का साहित्यिक परिचय।

□□□□ – 4 .

जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पन्त, महादेवी वर्मा और सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला का साहित्यिक परिचय।

□□ □□□□□□ :

प्रश्न 1. □□□□ 3 □□ 4 से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) □□(05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) □□ (□) (07 x 2 = 14 □□)

सन्दर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नागेन्द्र
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
3. हिंदी साहित्य का इतिहास- आ. रामचंद्र शुक्ल
4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
5. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास 1-2 – डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त
6. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल
7. हिंदी का गद्य – साहित्य – डॉ. प्रसाद
8. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. विजयपाल सिंह

==========